Literacy for a Billion

Movie: Dil Chahta Hai
Year: 2001

Song: Koi Kahe Kahta Rahe
Lyricist: Sameer

कोई कहे कहता रहे
कितना भी हमको दीवाना
हम लोगों की
ठोकर में है ये ज़माना
जब साथ है आवाज़ है
फिर किस लिए हिचकिचाना
ओ गाएंगे हम
अपने दिलों का तराना
बिगड़े दुनिया
बिगड़ने भी दो
झगड़े दुनिया
झगड़ने भी दो
लड़े जो दुनिया
लड़ने भी दो
तुम अपनी धुन में गाओ
दुनिया रूठे रूठने दो
बंधन टूटे टूटने दो
कोई छूटे छूटने दो
ना घबराओ

हम हैं नए
अंदाज़ क्यों हो पुराना
आँखों में हैं बिजलियाँ
साँसों में तूफ़ान हैं
डर क्या है
और हार क्या

हम इससे अनजान हैं
हमारे लिए ही तो है
आसमान और ज़मीं
सितारे भी हम तोड़ लेंगे
हमें है यक़ीं
अंबर से है
आगे हमारा ठिकाना

सपनों का जो देस है
हाँ हम वहीं हैं पले
थोड़े से दिल फेंक हैं
थोड़े से हैं मनचले
जहाँ भी गए
अपना जादू दिखाते रहे
मोहब्बत हसीनों को
अक़्सर सिखाते रहे
आए हमें
दिल और नींदें चुराना
कोई
कहता
ओ हम लोगों की
ठोकर में है ये ज़माना
हो जब साज़ है आवाज़ है
फिर किस लिए हिचकिचाना
ओ हम हैं नए
हाँ हम हैं नए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.